M.A. PART-I (Hindi) Syllabus According to choice based course Semester and Credit System

University of Mumbai

Year 2017-18,2018-19, 2019-20

प्रो.विष्णु सरवदे (अध्यक्ष ,हिंदी अध्यन मडंल)

डॉ . हूबनाथ पाण्डेय (सदस्य, हिंदी अध्यन मडंल,)

डॉ. भंडारे उद्धव तुकाराम (सदस्य, हिंदी अध्यन मडंल,)

डॉ .अनुपमा धनावडे (सदस्य,पाठ्यक्रमसमिति)

डॉ.सचिन गपाट (सदस्य, हिंदी अध्यन मडंल,)

डॉ. शाहू मधाळे (सदस्य,पाठ्यक्रमसमिति)

डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य हिंदी अध्यन मडंल,)

डॉ.संजय सिंह (सदस्य,पाठ्यक्रमसमिति)

पाठ्यक्रम एम.ए प्रथम वर्ष (हिंदी)

६ क्रेडिट प्रति कोर्स कुल 48 क्रेडिट प्रतिवर्ष
6 credits per paper   48 credits per year

First Semester (प्रथम सत्र)

Per Semester 24 credits

प्रति सत्र २४ क्रेडिट
Course code PAHIN 101

Paper No.1:- Modern Prose
प्रश्न पत्र क्रमांक एक :- आधुनिक गदय
Course code PAHIN 101

१.ऑठवॉ सर्ग - सुरेंद्र वर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन,नई दिल्ली

२. पत्ताखोर - मधु कांकरिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

३.मणिकर्णिका - डॉ.तुलसीराम , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रत्येक पुस्तक हेतु २ यूनिट कुल व्याख्यान = ६०

सन्दर्भ ग्रंथ पेपर १

१.हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

२. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ बच्चन सिंह

३.हिंदी का गद्य इतिहास - डॉ.रामचंद्र तिवारी

४.प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन- डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

५. प्रसाद का नाट्य साहित्य - डॉ भानुदेव शुक्ल

६.प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक एवं सामाजिक विवेचन - डॉ जगदीशचंद्र जोशी

७. हिंदी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख - डॉ. इंद्रनाथ मदान

८.नाटककार जयशंकर प्रसाद - सं. सत्येंद्र कुमार तनेजा

९. नाटका और रंग परिकल्पना - डॉ. गिरीश रस्तोगी

१०.हिंदी नाटक - डॉ. बच्चन सिंह

११.आधुनिक हिंदी नाटक –डॉ. सुंदरलाल कथूरिया

१२.हिंदी उपन्यास का इतिहास - डॉ.गोपाल राय

१३.हिंदी उपन्यास स्थिति और गति –डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

१४. हिंदी निबंधकार - डॉ. जयनाथ नलिन

१५.प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - डॉ. विभुराम मिश्र

१६.हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१७. आवां विमर्श - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१८.हिंदी साहित्य मूल्यांकन और मूल्यांकन-डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१९.ललित निबंध : विधा की बात- डॉ.हूबनाथ

Paper No.3:- History of Hindi Literature

प्रश्न पत्र क्रमांक तीन :- हिंदी साहित्य का इतिहास

Course code PAHIN 102

I.हिंदी साहित्य का इतिहास

१.१.इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास

१.२.हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा

१.३.हिंदी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण

II.आदिकाल

२.१.आदिकालीन पृष्ठभूमि

२.१.१.सामाजिक

२.१.२.राजनीतिक

२.१.३.धार्मिक

२.१.४.साहित्यिक

२.१.५.आर्थिक

२.२.सिध्द साहित्य ः प्रवृत्तियॉं

२.३.नाथ साहित्यः प्रवृत्तियॉं

२.४.जैन साहित्य ः प्रवृत्तियॉं

२.५.रासो साहित्य (वीरगाथा काल) ः प्रवृत्तियॉं

III.भक्तिकाल

३.१.भक्तिकालीन पृष्ठभूमि

३.१.१.सामाजिक

३.१.२.राजनीतिक

३.१.३.धार्मिक

३ . १ . ४ . साहित्यिक

३ . १ . ५ . आर्थिक

३ . २ . ज्ञानाश्रयी शाखा ः प्रवृत्तियाँ

३ . ३ . प्रेमाश्रयी शाखा ः प्रवृत्तियाँ

३ . ४ . रामभक्ति शाखा ः प्रवृत्तियाँ

३ . ५ . कृष्णभक्ति शाखा ः प्रवृत्तियाँ

IV.रीतिकाल

४ . १ . रीतिकालीन पृष्ठभूमि

४ . १ . १ . सामाजिक

४ . १ . २ . राजनीतिक

४ . १ . ३ . धार्मिक

४ . १ . ४ . साहित्यिक

४ . १ . ५ . आर्थिक

४ . २ . रीतिबद्ध काव्य ः प्रवृत्तियाँ

४ . ३ . रीतिसिद्ध काव्य ः प्रवृत्तियाँ

४ . ४ . रीतिमुक्त काव्य ः प्रवृत्तियाँ

६ यूनिट ः—अध्याय १, २, ३, ४= १ यूनिट, हिंदी साहित्य का इतिहास= १ यूनिट, आदिकाल =२ यूनिट, भक्तिकाल=२ यूनिट, रीतिकाल= १ यूनिट, कुल व्याख्यान= ६0

सन्दर्भ ग्रंथ पेपर -३

१.हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्यरामचंद्र शुक्ल

२.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –डॉ. बच्चन सिंह

३.हिंदी गद्य का इतिहास –डॉ. रामचंद्र तिवारी

४.हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र

५. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

६. हिंदी आधुनिक कविता –डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

७. हिंदी साहित्य उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

८.हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

९.हिंदी साहित्य का अतीत - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

१०.हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास डॉ रामकुमार वर्मा

११.हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन –डॉ. शिवकुमार

१२.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपति चंद्र गुप्त

१३.आदिकालीन हिंदी साहित्य –डॉ. शंभूनाथ पांडे

१४.साहित्य और इतिहास दृष्टि –डॉ. मैनेजर पांडेय

१५.उत्तर भारत की संत परंपरा - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

१६.मध्यकालीन बोध का स्वरूप - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

१७. हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय –डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल

१८.हिंदी रीति साहित्य –डॉ. भगीरथ मिश्र

१९. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास- डॉ. सुमन राजे

२०.द्वितीय महायुद्धोत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास –डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

२१.आधुनिक हिंदी काव्य : उद्भव और विकास – स्नेहलता पाठक

२२. आधुनिक हिंदी कविता कावैचारिकपक्ष – डॉ. रतन कुमारपाण्डेय

२३. आधुनिकहिंदीकवितामेंकाव्यचिंतन – डॉ. करुणाशंकरउपाध्याय

२४ .आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ – डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय

२५.स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी: काव्य और शिल्प –डॉ. शिवशंकर पांडे

२६.छायावाद – डॉ.नामवर सिंह

२७.परंपरा का मूल्यांकन –डॉ. रामविलास शर्मा

२८.आधुनिकता और हिंदी उपन्यास –डॉ. इंद्रनाथ मदान

२९.हिंदी उपन्यास का इतिहास- डॉ.गोपाल राय

३०.साठोत्तरी हिंदी कविता –डॉ. रतन कुमार पांडेय

३१. समकालीन हिंदी कविता –डॉ.ए. अर्विंदाक्षण

३२.हिंदी कथा साहित्य का इतिहास - हेतु भारद्वाज

३३.समकालीन कविता : दृष्टि और बोध – डॉ.रतन कुमार पांडेय

३४.समकालीन कविता : प्रकृति और परिवेश – डॉ. रतन कुमार पांडेय

३५.आधुनिक हिंदी कविता के वैचारिक एवं शिल्पगतआयाम–डॉ. अनुराधा गर्ग

३६.नवजागरण और छायावाद – डॉ. महेन्द्र नाथराय

Paper No.5:- Old and Medieval Poetry
प्रश्न-पत्र क्रमांक पांच :- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Course code PAHIN 103

१.संत कबीरदासः- संपादक, हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्रकाशक, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
व्याख्या हेतु पद ः-

१.साखी

गुरू को अंगः- ३, ११, १६, २७, २८, ३४,

विरह को अंगः- १, ५, ६, २२, ४0,४५,

परचा को अंगः- ४, ८, २७, २३, ३८, ४८,

२.पदः- १, ३, ६७, ९७, १३४, १६२, १६३, १६८, १७५, १७६, १७७,
१९९, २00, २0२, २१७,२२0, २२४, २३४, २४१, २५४, कुल=२0

२.पद्मावतः- मलिक मुहम्मद जायसी, संपादक-आ.रामचंद्र शुक्ल,

व्याख्या हेतु खण्ड ः-१. सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड
२.नागपती वियोग खण्ड

३.गोस्वामी तुलसीदासः-रामचरितमानस, अयोध्याकाण्ड द्वितीय सोपान, योगेन्द्र प्रताप सिंह,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
व्याख्या हेतु पद ः- २२३ ते २५३=२५

प्रत्येक पुस्तक हेतु २ यूनिट कुल व्याख्यान =२x३=६0

सन्दर्भ ग्रंथ

१.कबीर की विचारधाराः- डॉ.गोविंद त्रिगुणायत

२.कबीर ग्रंथावलीः- डॉ.एल.बी.राम 'अनंत'

३.कवीरः व्यक्तित्व कृतित्व एवं सिद्धांत ः- डॉ.सरनाम सिंह

४.कवीर रहस्यवाद ः- डॉ.रामकुमार वर्मा

५.कबीर साहित्य की परखः- आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

६.जायसी एवं उनका काव्यः- डॉ. शिवसहाय पाठक

७.जायसी का पद्मावतः काव्य और दर्शनः- डॉ.गोविंद त्रिगुणायत

८.जायसीः- डॉ.विजयदेव नारायण साही

९.जायसी का काव्य शिल्प ः- डॉ.दर्शनलाल सेठी

१0.तुलसीदास और उनका युगः- डॉ.राजपति दीक्षित

११.तुलसीदास ःआधुनिक वातायनसे ः- डॉ.रमेश कुंतल 'मेघ'

१२.रामचरितमानस में अलंकार योजनाः- डॉ.वचनदेव कुमार

१३.मध्यकालीन कवि और कविताः-डॉ.रतनकुमार पाण्डे

१४.कालजयी संत तुलसीदासः- डॉ.उमापति दीक्षित

१५.तुलसी काव्य के विविध आयाम ः- डॉ.उमापति दीक्षित

Paper No.7

Course code PAHINA 104

प्रश्न पत्र क्रमांक सात :- प्रयोजनमूलक हिन्दी
(Functional Hindi)

1.प्रयोजनमुलक हिंदी :-अर्थ,अवधारणा एवं स्वरूप,ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

२. हिंदी के विविध रूप :- सर्जनात्मक भाषा ,संचार भाषा,संपर्क भाषा ,राजभाषा, राष्ट्रभाषा

३. राजभाषा हिंदी :- अवधारणा एवं स्वरूप

४.राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान –

अनुच्छेद ३४३ से ३५१तक

राष्ट्रपति के निर्देश

राजभाषा आयोग

संसदीय समितियाँ

राजभाषा समितियाँ

भाषा नीति संबंधी सरकारी संकल्प

राजभाषा नीति के क्रियान्वयन की समस्याएँ

१. वैश्वीकरण और हिंदी:- विदेशों में हिंदी पत्रकारिता

अध्याय १से ३ =३ यूनिट,अध्याय ४ से ५ =३ कुल यूनिट ६ कुल व्याख्यान =६०

सन्दर्भग्रंथ पेपर-७

१.खड़ी बोली का आंदोलन –डॉ.शितिकंठ मिश्र

२.भारतीय राष्ट्रभाषा की सीमाएं –डॉ. सत्यव्रत

३.राजभाषा के संदर्भ में हिंदी आंदोलन का इतिहास –डॉ. उदयनारायण दुबे

४.राजभाषा हिंदी –डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

५.प्रयोजनमूलक हिंदी –डॉ. विनोद गोदरे

६.प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग – डॉ.रामप्रकाश,डॉ.दिनेश गुप्त

७.प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत एवं व्यवहार - रघुनंदन प्रसाद शर्मा

८.अनुवाद विज्ञान –डॉ. भोलानाथ तिवारी

९.विज्ञापन : सिद्धांत एवं प्रयोग - अशोक महाजन

१०. आधुनिक विज्ञापन –डॉ. प्रेमचंद पातंजलि

११.कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग –डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा

१२.भाषा और प्रौद्योगिकी –डॉ. विनोद कुमार प्रसाद

१३.हिंदी का विश्वसंदर्भ –डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय

Course code PAHINB 104

पत्रकारिता
(JOurnalism)

1. **पत्रकारिता का इतिहास और वक्त के साथ उसका बदलता स्वरुप**

२. **पत्रकारिता के माध्यमगत रूप** -

a) प्रिंट पत्रकारिता

b) रेडियो पत्रकारिता

c) टीवी पत्रकारिता

d) डिजिटल पत्रकारिता

e) सोशल मीडिया पत्रकारिता (फेसबुक , ट्विटर इत्यादि)

f) Citizen Repor t er

३. **पत्रकारिता के विषयगत रूप**

a) मुख्य बीट्स - राजनीति , अपराध-खोजी -अदालत , खेल , मनोरंजन , रक्षा -विदेश मामले , बिसनेस , सम सामयिक विषय

b) सहायक बीट्स - ट्रांसपोर्ट , शिक्षा , स्वास्थ , सामाजिक मसले , साहित्यिक पत्रकारिता, नाईट बीट , पर्यावरण, साइंस-तकनीक , पॉजिटिव खबरे , पर्यटन , खान-पान , महिला मसले , कृषि , ग्रामीण , RTI, उपभोक्ता मामले

४. **पत्रकारिता के विभिन्न माध्यमगत रूप और हिंदी भाषा**

५. **पत्रकारिता के कार्यक्षेत्र**

a) रिपोर्टिंग - विभिन्न विषयगत रूप के आधार पर

b) Desk - लेखन , प्रूफ रीडिंग , पोस्ट प्रोडक्शन , सम्पादन , कोआर्डिनेशन , असाइनमेंट, फीचर लेखन - प्रोडक्शन

अध्याय १ से ३ =3 यूनिट,अध्याय ४ से ५ =3, कुल यूनिट ६, कुल व्याख्यान =६०

सन्दर्भ ग्रंथ पेपर-७

१. हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम- डॉ. वेदप्रताप वैदिक

२.हिंदी पत्रकारिता –डॉ. अर्जुन तिवारी

३. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे – डॉ.राजकिशोर

४.पत्रकार और पत्रकारिता– डॉ. रमेश जैन

५. आजादी के पचासवर्ष और हिंदी पत्रकारिता –डॉ. सविता चड्ढा

६.समाचार व्यवस्थापन – अनंत गोपाल शेवडे

७.पत्रिका : संपादन कला –डॉ. रामचंद्र तिवारी

८.मीडिया और साहित्य - सुधीश पचौरी

९.समाचार, फीचर लेखन और संपादन कला- डॉ. हरिमोहन

१०. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत –डॉ. नवीनचंद्र पंत

११. आधुनिक पत्रकारिता –डॉ. अर्जुन तिवारी

१२.जनसंचार और पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी

१३.पत्रकारिता मिशन से मीडियातक - अखिलेश तिवारी

१४.सूचना का अधिकार - विष्णु राजगढ़िया, अरविंद केजरीवाल

१५.पत्रकारिता : नया दौर नए प्रतिमान - संतोष भारतीय

१६.समाचार संपादन - कमल दीक्षित, महेश दर्पण

१७.भेंटवार्ता और प्रेस कॉन्फ्रेंस –प्रो. नंद किशोर त्रिखा

१८.खेल पत्रकारिता - सुशील दोषी, सुरेश कौशल

१९.सूचना प्रद्योगिकी और समाचार पत्र – रवीन्द्र शुक्ला

- -

Course code PAHINC 104

स्त्री विमर्श एवं हिंदी साहित्य

(Feminism and Hindi Literature)

(इस प्रश्न में और सैध्दांतिक व्यावहारिक दो विभाग होगें)

सैध्दातिक पक्ष

१.स्त्री विमर्श की अवधारणा

२.स्त्री विमर्श की पृष्ठभूमि

३.स्त्री आन्दोलन: भारतीय एवं पाश्चात्य सन्दर्भ

४. हिंदी में स्त्री लेखन का स्वरूप और विकास

व्यावहारिक पक्ष :-

१. मैत्रेयी पुष्पा की दस प्रतिनिधि कहानियॉं : मैत्रेयी पुष्पा, किताबघर
२. गुलाम मंडी - निर्मला भुराडिया ,सामायिक प्रकाशन ,नई दिल्ली११०००२

सैध्दातिक पक्ष =२ यूनिट , छिन्नमस्ता =२ यूनिट, गुलाम मंडी= २ यूनिट , कुल संख्या =६०

सन्दर्भ ग्रंथ पेपर-७

१.नारी प्रश्न - सरला माहेश्वरी

२.औरत अस्तित्व और अस्मिता - अरविंद जैन

३. स्त्रीत्ववादीविमर्श: समाज और साहित्य - क्षमा शर्मा

४.स्त्री परंपरा और आधुनिकता – राजकिशोर

५.भारतीय समाज में नारी– डॉ प्रभा आपटे

६.स्त्रीत्वकामानचित्र – अनामिका

७. समकालीनमहिलालेखन – डॉ.ओमप्रकाशशर्मा

८. स्त्रीविमर्श – जगदीश्वरचतुर्वेदी

९. परिधिपरस्त्री – मृणालपांडे

१०. औरत: उत्तरकथा – राजेन्द्रयादव

११.हिंदीसाहित्यकाआधाइतिहास – सुमनराजे

१२.स्त्रीसंघर्षकाइतिहास – राधाकुमार

१३. स्त्रीपुरुषोंकेसंबंधोंकाविमर्श – डॉ.उषाकीर्ति राणावत

१४. स्त्रीअधिकारोंकाऔचित्यसाधन – मेरीओल्सटन क्राफ्ट(अनु.मीनाक्षी)

१५. स्त्रियों की पराधीनता - जॉनस्टुवर्डमिल,(अनु.प्रगतिसक्सेना)

१६. उपनिवेशमेंस्त्री – प्रभाखेतान

१७.बंद गलियों के विरुद्ध : महिला पत्रकारिता की यात्रा - मृणाल पांडे, क्षमा शर्मा

१८.आधी आबादी का संघर्ष - ममता जैतली, श्रीप्रकाश शर्मा

१९.मौसम बदलने की आहट - अनामिका

२०.स्त्री विमर्श के उत्तर गाथा - अनामिका

२१.स्त्री मुक्ति : संघर्ष और इतिहास - रमणिका गुप्ता

२२.स्त्री अस्मिता और समकालीन कविता - प्रमिला के. पी.

२३.अनामिका : एक मूल्यांकन –सं. अभिषेक कश्यप

२४.मन्नू भंडारी की कहानियों में नारी –डॉ. इसरत जहां

२५.हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ –डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय

२६.शिकजे का दर्द: दलित एवं नारी मुक्ति का यथार्थदस्तावेज –सं. डॉ.देवेद्र चौबे,डॉ. विष्णु सरवदे,प्रकाशक –शिल्पायन नई दिल्ली.

२८. दलित लेखन में स्त्री चेतना की दस्तक सं- शिवरानी प्रभात,प्र. शिल्पायन,दिल्ली

२९. हाशिए का विमर्श ले. सुशीला टाकभोरे,प्र.नेहा प्रकाशन ,दिल्ली

३०.मेरे साक्षात्कार –ले. सुशीला टाकभोरे,प्र. शिल्पायन,दिल्ली

Course code PAHINC 104

प्रश्न पत्र — ७

सिनेमा अध्ययन

प्रथम सत्र

१. सिनेमा : उद्‌भव और विकास

क. सिनेमा के पूर्वज

ख. सिनेमा का जन्म

ग. मूक सिनेमा (१८९५—१९२८)

घ. बोलता सिनेमा (१९२८—१९९०)

ड़. डिज़िटल सिनेमा (१९९०—२०१५)

२. भारतीय सिनेमा

च. मूक सिनेमा

छ. बोलती फ़िल्मे

ज. स्वातंत्र्योत्तर सिनेमा

झ. आपातकाल के बाद सिनेमा

त्र. भूमंडलीकरण के बाद सिनेमा

३. विकास यात्रा और प्रक्रिया

ट. सिनेमा की विकास—यात्रा, पॉपुलर सिनेमा, आर्ट सिनेमा, हॉलीवुड सिनेमा

ठ. पॉपुलर सिनेमा, स्टंट फ़िल्में, बाल फ़िल्में, एनीमेशन फ़िल्में, ट्रैजेडी, कॉमेडी, हॉरर, रूदन हास्य (Sreio-comic) डॉक्यूमेंट्री, फीचर फ़िल्म

ड. सिनेमा पटकथा और संवाद—लेखन—c स्टोरि, स्क्रीन प्ले, डॉक्यूमेंट्री की पटकथा, संवाद, फीचर फ़िल्म की पटकथा, संवाद, शूटिंग स्क्रिप्ट

त. फ़िल्मी गीत—लेखन—टाइटल गीत, एकल गीत, समूह गीत, लोक गीत, साहित्यिक गीत, आइटम गीत

४. फ़िल्म—निर्देशन विभाग

अ. मुख्य सहायक निर्देशक — कार्य, गुण और महत्त्व

आ. सहायक निर्देशक — १ सहयाक निर्देशक — २ कंटीन्युटी ब्यॉय

इ. प्रोडक्शन डिजाइनर, कला—निर्देशक डोप शीट, म्युजिक क्यू शीट

ई. कास्टिंग डायरेक्टर, नृत्य निर्देशक, संगीत निर्देशक, एक्शन डायरेक्टर, Dialect coach, मेकअप मैन

५. **कैमरामैन, लाइटिंग**

उ. लोकेशन—इंडोर, आउटडोर, लोकेशन—हॅंटिंग

ऊ. फ़िल्म संपादन, संपादन : कार्य, गुण, महत्त्व

ए. प्रोडक्शन कंट्रोलर, सिनेमा का बजट

ऐ. सिनेमा की मार्केटिंग और प्रचार

६. **फ़िल्म निर्माण कला**

त. दृश्यांकन (Screen play)

थ. कास्टिंग

द. लोकेशन

ध. कला निर्देशन

न. छाया चित्रण

प. संपादन निर्देशन

फ. स्पेशल इफेक्ट

ब. ध्वनि मुद्रण

भ. संगीत

म. डबिंग

य. वितरण एवं प्रदर्शन

पाठ्यक्रम एम.ए प्रथम वर्ष (हिंदी)

६ क्रेडिट प्रति कोर्स कुल 48

क्रेडिट प्रति सत्र

6 credits per paper 48 credits

Second Semester (द्वितीय –सत्र)

Course code PAHIN २01

Paper No.1:- Modern Prose

प्रश्न पत्र क्रमांक एक :- आधुनिक गद्य

Course code PAHIN 102

१. उपन्यास :- तमस ,भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

२. कहानी :-समकालीन हिंदी कहानियाँ ,संपादक हिंदी अभ्यास मंडल मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई

1. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी 2. सद्गति - प्रेमचंद 3. आकाश-दीप - जयशंकर प्रसाद 4. रोज- अज्ञेय 5. मलबे का मालिक - मोहन राकेश 6. एक औरत : एक जिंदगी - रामदरश मिश्र 7. पिता - ज्ञानरंजन 8. नेलकटर - उदय प्रकाश 9. मामला आगे बढ़ेगा अभी - चित्रा मुद्गल 10. एक पेड़ की मौत - अलका सरावगी 11. सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि १२ .नो बार—जयप्रकाश कर्दम

३. नाटक :- वीमा - रत्नकुमार सांभरिया,आनामिका पब्लिशर्स ,नई दिल्ली,

प्रत्येक पुस्तक से २ यूनिट ,कुल ६ यूनिट कु व्याख्यान =६०

Paper No.3:- History of Hindi Literature

प्रश्न पत्र क्रमांक तीन :- हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल)

Course code PAHIN २०२

१.१.आधुनिककालीन पृष्ठभूमि

१.१.१.सामाजिक

१.१.२.राजनीतिक

१.१.३.धार्मिक

१.१.४.साहित्यिक

१.१.५.आर्थिक

II.आधुनिक काल का विकास

२.१.भारतेंदुयुगीन ः प्रवृत्तियाँ

२.२.द्विवेदीयुगीन ः प्रवृत्तियाँ

२.३.छायावादीयुगीन ः प्रवृत्तियाँ

२.४.प्रयोगवादी ः प्रवृत्तियाँ

२.५.नई कविता ः प्रवृत्तियाँ

२.६.साठोत्तरी कविता ः प्रवृत्तियाँ

२.७.समकालीन कविता

III.हिंदी गद्य विधाओं का विकास

३.१.हिंदी उपन्यास साहित्य

३.२.हिंदी कहानी साहित्य

३.३.हिंदी नाटक साहित्य

३ . ४ . हिंदी निबंध साहित्य

३ . ५ . हिंदी आलोचना साहित्य

३ . ६ . आत्मकथा

३ . ७ . गद्य की अन्य विधाएँ

३ . ७ . १ . जीवनी

३ . ७ . २ . संस्मरण

३ . ७ . ३ . रेखाचित्र

३ . ७ . ४ . डायरी

३ . ७ . ५ . यात्रा वृत्तांत

३ . ७ . ६ . पत्र साहित्य आदि

आधुनिक कालीन पृष्ठभूमि **एवं आधुनिक हिंदी कविता =३ यूनिट ,भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य साहित्य=३ यूनिट**

आधुनिक हिंदी साहित्य पर आधारित वस्तु निष्ठ प्रश्न पूछे जाएगे|

--

संदर्भग्रंथः-

१.हिंदी साहित्य का इतिहासः- आ.रामचंद्र शुक्ल

२. हिंदी साहित्य का इतिहासः- संपादक.डॉ नगेंद्र

३ .हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः- डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

४. हिंदी साहित्य का इतिहासः- डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी

५. हिंदी साहित्य का इतिहासः- डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

६. हिंदी साहित्य का इतिहासः- डॉ.श्यामचंद्र कपूर

७. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहासः- डॉ.बच्चन सिंह

८. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियॉं ः- डॉ.जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

९. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियॉं ः- डॉ.गोविंदराम शर्मा

१0.आधुनिक साहित्य का इतिहासः- डॉ.बच्चन सिंह

११. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहासः- बाबू गुलाबराय

१२. हिंदी साहित्य की भूमिकाः- डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी

१३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहासः- डॉ.रामकुमार वर्मा

१४.हिंदी गद्यः उद्‌भव और विकासः- डॉ.उमेश शास्त्री

१५. हिंदी साहित्य एक परिचयः- डॉ.त्रिभुवन सिंह

१६. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहासः- डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी

१७. हिंदी रीति साहित्य का इतिहासः- डॉ.भगीरथ मिश्र

१८.रीतियुगीन काव्यः-डॉ.कृष्णचंद्र वर्मा

१९.रीतिकाव्य की भूमिकाः-डॉ.नगेंद्र

२0.आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकालः- श्री नारायण चतुर्वेदी

२१. हिंदी साहित्य ः युग और प्रवृत्तियॉं ः- डॉ.शिवकुमार शर्मा

२२. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहासः- डॉ.सभापति मिश्र

२३. हिंदी साहित्य का इतिहासः- डां.माधव सोनटक्के

२४. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहासः- डॉ.मोहन अवस्थी

२५. हिंदी साहित्य का सही इतिहासः- डॉ.चंद्रभानु सोनवणे/डा६.सूर्यनारायण रणसूभे

२६. हिंदी साहित्य का आधा इतिहासः- डा६.सुमन राजे

२७. हिंदी साहित्य की नवीन विधाऍं ः- डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया

२८. हिंदी साहित्य का इतिहासः नए विचार नई दिशाऍं ः- डॉ.सुरेशकुमार जैन

२९. हिंदी साहित्य का इतिहासः- डॉ.भंडारे उद्धव तुकाराम

३0. हिंदी साहित्य का इतिहासः- डॉ.सज्जनराम केणी

३१. हिंदी साहित्य ः- डॉ.धर्मवीर भारती

३२. हिंदी साहित्य का इतिहासः- आ.रामचंद्र शुक्ल

Paper No.5:- Old and Medieval Poetry
प्रश्न पत्र क्रमांक पांच :- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Course code PAHIN २03

१ . भ्रमरगीतसारः- संपादक, आ . रामचंद्र शुक्ल,

व्याख्या हेतु पद :- १, ५, ७, ९, ११, १६, २६, ३८, ४२, ५१,

५७, ६४, ९0, १0५, ११५, १३१, १३८, १४३,

१५७, १७७, १९६, २00, २७९, ३१६, ३६६, **कुल =25**

२ . कवि भूषण :- **संपादक भगवान दास तिवारी,साहित्य भवन, इलाहाबाद**

व्याख्या हेतुः- 0२,१७,२०,२२,२४,२५,२६,३०,३५,४१,
४४,४६,४९,५७,५८,६१,६३,६९,७२,७३,
८९,९०,९१,९५=25

३ . मीरा पदावलीः- संपाादक एवं टिकाकार- शंभुसिह मनोहर,

व्याख्या हेतु पद :- २, ३, ४, ७, १0, ११, १२, १३, १४, २0, २३, २७, २८, ३0,

३५, ३६, ३७, ४१, ४३, ४७, ५५, ५६, ६७, ८४, ८७, **कुल =25**

प्रतेक पुस्तक से २ यूनिट कुल २* ३= ६ कुल व्याख्यान =६०

Paper No.7:-

Course code PAHINA २04

प्रश्न-पत्र क्रमांक सात :- प्रयोजनमूलक हिन्दी

(Functional Hindi)

१. संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग :- रेडियो, टेलीविजन,समाचार पत्र, सिनेमा और इंटरनेट में हिंदी का प्रयोग

२. विज्ञापन और हिंदी :- विज्ञापन:परिभाषा और स्वरूप

विज्ञापन और बाजार
विज्ञापन और जनसंचार
विज्ञापन और जनसंचार माध्यम
विज्ञापन और एजेंसियां
विज्ञापन और कानून
विज्ञापन और नैतिकता

३. अनुवाद :- परिभाषा एवं स्वरूप ,आवश्यकता एवं महत्त्व

अनुवाद के सिध्दांत ,
अनुवाद की प्रक्रिया
अनुवाद के भेद
अनुवाद के उपकरण
अनुवाद के क्षेत्र एवं समस्याएँ
अनुवादक की योग्यताएँ

१ और २ को ४ यूनिट, ३ को २ यूनिट कल व्याख्यान =६०

Course code PAHINB २04

पत्रकारिता

(Journalism)

१. **भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार**

सूचना का अधिकार और अभिव्यक्ति स्वतंत्रता का अधिकार

२. **पत्रकारिता की आचार संहिता**

. **खबरों के स्त्रोत**

a) सूत्र

b) पत्रकार परिषद्

c) प्रेस विज्ञप्ति

c) न्यूज़ एजेंसियां

४. **पत्रकार की योग्यता**

a) खबर परखने की कला

b) मेहनत और प्रतिबद्धता

c) विषमगत परिस्थियों में संयम से कार्य करने की क्षमता

d) तकनीकी ज्ञान

e) बहुभाषी

f) विषय का ज्ञान एवं रिसर्च

g) इंटरव्यू लेने और सवाल पूछने की कला

h) स्वयं रोजगार

i) खबर सम्प्रेषित करने का अंदाज

j) डेडलाइन में काम करने की जरुरत

k) दर्शक और पाठक की दिलचस्पी की समझ

५। **पत्रकारिता के समक्ष सवाल**

a) पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा और मानहानि के मुकदमे

b) पत्रकार की जिम्मेदारियां और खतरे

c) पत्रकारिता का आत्म-नियंत्रण बनाम सेंसरशिप

d) बाजारवाद का दबाव : advertorial , पेड न्यूज़ , पेड फीचर्स , पेड कार्यक्रम

१ और २ को २ यूनीत,३,४,५ को २ यूनिट और ६,७ को २ यूनिट ,कुल व्याख्यान =६०

Course code PAHINC २04

स्त्री विमर्श एवं हिंदी साहित्य

(Feminism and Hindi Literature)

१ . नई सदी की पहचान : श्रेष्ठ महिला कथाकार ,सम्पादक : ममता कालिया ,लोकभारती प्रकाशन

(तीसरा हिस्सा ,चमड़े का अहाता और आपकी छोटी लड़की को छोड़कर सभी कहानियाँ)

३. **छिन्नमस्ता - प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**

२ . नगाडे की तरह बजते शब्द : निर्मला पुतुल, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

(निर्धारित कवितायें – अपनी जमीन तलासती बचैन स्त्री,आदिवासी स्त्रियॉं, आदिवासी लडकियों के बारे में, पहाड़ी स्त्री, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा, मेरे बीना मेरा घर, सुगिया, कहा गुम हो गये, उतनी ही जनमेगी निर्मला पुतुल, मैं चहाती हूँ

प्रति पुस्तक को २ यूनिट ,कुल व्याख्यान =६०

Course code PAHINC २05

Sem-II

सिनेमा

१ . सिनेमा का सौंदर्यशास्त्र

२ . सिनेमा का समाजशास्त्र

३ . स्त्रीविमर्श और सिनेमा

४ . राष्ट्रियवाद और सिनेमा

५ . सिनेमा और सेंसर

६ . समांतर सिनेमा

७ . लघु फिल्में

८ . वृत्तचित्र

९ . विशेष अध्ययन

य . सेवेन सामुराईः अकिरो कुरोसावा

र . वाईसिकल थीपः वितोरियो द सिका

ल . द जनरलः बस्टर कीटन

व . पाथेर पांचालीः सत्यजित रे

श . दो बीघा जमीनः बिमल रॉय

ष . मदर इंडियाः महबूब खान

स . मुगले आजमः के आशिफ

ह . प्यासाःगुरूदत्त

M.A, PART -I , HINDI

SEMESTER I & II

(w.e.f Academic year 2017-2018 to 2019-2020)

48 Credits

6 Credits per paper

60 Teaching hours per paper during the semester

15 Teaching hours per unit during semester

(All papers have 4 Units)

choice based course Semester and Credit System

UNIVERSITY OF MUMBAI

DEPARTMENT OF HINDI

SYLLABUS OUTLINE:

M.A. PART I

SEMESTER I

Course	Nomenclature	Theory	Internal Assessment	Hrs. per week	Credits
I	Modern Prose	60	40	4	6
III	History of Hindi Literature	60	40	4	6
V	Old and Medieval Poetry	60	40	4	6
VII	Functional Hindi . OR Journalism OR Feminism and Hindi Literature	60	40	4	6

SEMESTER II

Course	Nomenclature	Theory	Internal Assessment	Hrs. per Week	Credits
I	Modern Prose	60	40	4	6
III	History of Hindi Language	60	40	4	6
V	Old and Medieval Poetry	60	40	4	6
VII	Functional Hindi . OR Journalism OR Feminism and Hindi Literature	60	40	4	6

Semester Exam Paper Pattern & choice based course Semester and Credit System

1) Exam. 60 Marks Internal Assessments- 40 Marks / External

a) Project -20 Marks
b) Presentation – 10 Marks
c) Attendance and behaviour -10 Marks

2) Exam. 60 Marks Internal Assessments- 40 Marks / External
d) Project -20 Marks
e) Presentation – 10 Marks
f) Attendance and behaviour -10 Marks

Distribution of marks between theory and internal assessment is 60:40 respectively.

For each course there is passing minimum internal assessment 40 (16 Marks) for external semester end Exam 60 (24 Marks) and overall passing marks 40%

3) CREDIT SYSTEM AND EVALUTION

The credit based Semester System is as per University Rules.

Credit system:

Each paper of semester based (M.A Hindi) programme will earn the student 6 credits, with the final degree being awarded to the student after 96 credits have been earned over 4 semesters, The details of the Credit System, formulated as per the university guidelines, are as follows.

a) With each paper being worth 6 credits, the student will earn 24 credits each semester, 48 credits in a year.
b) Each credit will translate into 15 hours, making it 90 hours per paper. Of these, 45 hours will be covered by lectures and the Balance half will be counted towards preparation, homework, library work, assignments and student seminars.
c) Each semester will be comprise about 15 weeks. Of these two Week will be taken up in final and mid-semester exams. In order to cover 45 hours over 13 weeks, there will be 4 lectures per week of a particular paper.
d) Evolution : The Grade Point

At the end of the first semester and the sub sequent semester Examination the student will be awarded with a grade card consisting of grades and credits of the previous semesters. The marks will not appear on the great card but the conversion of the marks into grade points and letter grade will be displayed.

e) The grade card issued to each student will contain:
   a. The credits earned for each course in that semester.
   b. The performance in each course indicated by the letter grade.
   c. The grade point Average of all the courses in that semester.
   d. The cumulative Grade point Average of all courses after completing all levels.

Conversion of marks to grade points.

% of Marks obtained by the student in a course.	Grade Point	Letter Grade
76-100	6	O
71-75	5	A+
61-70	4	A
51-60	3	B+
41-50	2	B
0-40	F	F